

१०/३/८९



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 4
PART II—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 14] नई दिल्ली, मंगलवार, नवम्बर 22, 1988/अग्रहायण 1, 1910
No. 14, NEW DELHI, TUESDAY, NOVEMBER 22, 1988/AGRAHAYANA 1, 1910

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या हो जाती है किससे इकाय में अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

रक्षा भवालय

नई दिल्ली, 22 नवंबर, 1988

अधिसूचना

का. नि. आ. 15-(अ).—केन्द्रीय सरकार, तटरक्षक अधिनियम 1978 (1978 का 30) की धारा 123 की उपधारा (2) के खंड (३) के साथ पठित उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शब्दों का प्रयोग करते हुए तटरक्षा के दौरान किए जाने वाले समारोह और समान चिन्हों के संबंध में निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:—

अध्याय-1

प्रारंभिक

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम तटरक्षक (समारोह) नियम, 1988 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रदूत होंगे।
2. परिमाण—इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा घोषित न हो, :—

- (क) “अधिनियम” से तटरक्षक अधिनियम, 1978 (1978 का 30) अनुप्रीत है,
- (ख) “तटरक्षक भारत” से तटरक्षक महानिवेशक द्वारा जारी किया गया कोई भारत अनुप्रीत है,
- (ग) “सरकार” से केन्द्रीय सरकार अनुप्रीत है,
- (घ) “सेवा” से भारतीय तटरक्षक सेवा अनुप्रीत है,
- (ङ) सभी शब्दों और पदों का, जिनका प्रयोग इन नियमों में किया गया है किन्तु परिभाषित नहीं किया गया है परन्तु उन्हें अधिनियम में परिभाषित किया गया है, वहीं प्रथम होगा जो उनका उस अधिनियम में है।

3. तटरक्षक पद के धारक में निश्चित शक्ति का प्रयोग—इन नियमों के प्रवाजनों के लिए तटरक्षक का पद व्याख्यित करने वाले किसी व्यक्ति को दी गई किसी शक्ति या अधिकारिता का प्रयोग भेजा को नहीं के अनुचार इस निमित्त तत्त्वमय प्राधिकृत किसी अन्य व्यक्ति। द्वारा किया जा सकेगा और उसके द्वारा या इसके पूर्व किसी जाने वाला कोई कायं या ब्रात भी ही समान उसके द्वारा को आ सकेगा।

प्रथमाय 2

मानक और सुभेद्रक घटना

4. राष्ट्रपति—(1) राष्ट्रीय छज्ज. बंदरगाह में पोत के फलक पर, सरकारी इमारत पर और अन्य अंतर्राष्ट्रीय घटना में फहराया जाएगा। उनके जाते ही उसे नीचे खीच लिया जाएगा।

(2) जब राष्ट्रपति बंदरगाह में किसी पोत पर सजार हो तो राष्ट्रीय छज्ज. मस्तून पर या पोत के सबसे अधिक सहज दृश्य भाग पर फहराया जाता है।

(3) जैक स्टाफ पर राष्ट्रीय छज्ज.—ऐसे अवसर पर जब राष्ट्रपति पोत पर सजार हों और पोत मानाधीन हो तो ऐसे पोत और सभी रका पोत जैक स्टाफ पर राष्ट्रीय छज्ज. लाएंगे और तटरक्षक छज्ज. भी लगाएंगे और इसके साथ-साथ राष्ट्रीय छज्ज. बरबर लगाएं रखें।

5. क. ज्योर्ज अधिकारियों के झंडे—निम्नलिखित झंडे मस्तूल पर त्रूकदार अधिकारियों द्वारा अपने उचित रूप के रूप में फहराए जाएंगे:—

(i) महानिदेशक—एक नीला झंडा, जिसके बीच में ऐसा तटरक्षक फ्रेस्ट अध्यारोपित होगा, जिसकी फलाई के आगे ऊपरी बीच के ओर निचले केटन में तीन खड़े तारे होंगे।

(ii) ग्रहानिरीक्षक—एक नीला झंडा, जिसके बीच में ऐसा तटरक्षक फ्रेस्ट अध्यारोपित होगा जिसकी फताई के आगे ऊपरी और निचले केटन में दो खड़े तारे होंगे।

(iii) उपनियानिरीक्षक यदि तटरक्षक बीच की कमान कर रहा हो एक नीला झंडा, जिसके बीच में ऐसा तटरक्षक फ्रेस्ट अध्यारोपित होगा जिसकी फलाई के आगे एक तारा होगा।

(iv) नीली कर्नाडरों से मिश्र उप महानिरीक्षक—एक नीला पताका जिसके बीच में ऐसा तटरक्षक फ्रेस्ट अध्यारोपित होगा जिसके बीच में फलाई के आगे एक तारा होगा।

(अ) (i) तिरते हुए झंडे—तिरते हुए झंडे लगाने के ये अधिकारी त्रूकदार होंगे: किसी तटरक्षक बीच की कमान करने वाला महानिरीक्षक और उपमहानिरीक्षक,

(ii) लट पर झंडे—लट पर झंडा लगाने के ये अधिकारी त्रूकदार होंगे:

महानिदेशक और अधिकारी तटरक्षक कमांडर।

6. विस्थापित झंडा और पताका—राष्ट्रपति का झंडा मस्तूल पर सदा लगा रहेगा, महानिदेशक/महानिरीक्षक उपमहानिरीक्षक के झंडे/पताका को यदि आवश्यक हो किसी अन्य उपयुक्त स्थान या पोत को स्थानांतरित कर दिया जाएगा जैसाकि अनेकित हो।

7. झंडा लुकाना—(1) राष्ट्रपति की मृत्यु की बात में उस दिन से जिस दिन मृत्यु की सूचना प्राप्त हो निशान मुक्त रहेंगे और अन्त्येष्टि के दिन सूर्यस्तं तक या जैसा अदिश किया जाए उसके रहेंगे।

(2) अन्य उच्च पदस्थ व्यक्तियों की मृत्यु पर आयोजित समारोह की बाबत प्रत्येक अवसर पर महानिदेशक द्वारा आदेश दिए जाएंगे। सामान्यतया वह प्रतिया जिसका मनुसंरण किया जाएगा यह होगी कि केवल अन्त्येष्टि के दिन निशान मुक्त रहेंगे।

8. झंडे और निशान फहराने के लिए आनुकूलिक स्थिति—

(1) मस्तूल और अधिरचना वाले पोतों में जिनमें लंडिगत या प्राधिकृत स्थिति में छज्ज. और छवजा फहराना अनुशासन नहीं है ऐसे झंडे किसी अन्य मस्तूल पर या यदि आवश्यक हो याँड़मार्म पर फहराए जा सकेंगे।

(2) ड्रेसिंग लाइन—जब ड्रेसिंग लाइन छालक के लिए मस्तूलोपरि उपयुक्त सेटर छालन पोजिशन की अवस्था में की जा सके तो उन्हें पत्तन या स्टार बोर्ड पर जितना भी ऊंचा हो सके उतना ऊंचा लगाया जाना चाहिए।

9. मस्तूल शीर्ष पताका—(1) सेवारत सभी पोत जब उस पर झंडा या पताका न लगा हुआ हो मस्तूल शीर्ष पर 1 क. तटरक्षक पताका लगाएंगे एक नीला पताका जिसकी लंबाई 9 सेटीमीटर और शीर्ष पर चौड़ाई 9 सेटीमीटर और फलाई पर चौड़ाई 4.5 सेटीमीटर होगी और शीर्ष से 15 सेटीमीटर की दूरी तक तटरक्षक संभृतीक अध्यारोपित होगा।

(2) यदि आवश्यक हो, रेडियो एसिमिल से विछन और अन्य मस्तूलपरि पोतों से बचाने के लिए छोटा पताका लगाया जा सकेगा परन्तु तब जब कि उसे पोत से थोड़ी ही दूरी पर आसनी से देखा जा सके।

(3) सेवारत लट स्थापन पर छज्ज. दंड के शीर्ष पर, छज्ज. दंड फिट किया जाए मस्तूलोपरि पताका सभाया जाएगा।

प्रधानमंत्री 3

निशान

10. राष्ट्रपति के निशान—(1) राष्ट्रपति के निशानों की सारी में तट पर निम्नलिखित अवसरों पर परेड की जाएगी, अर्थात् —

(क) राष्ट्रपति के लिए बदले जाने वाले सम्मान गार्ह द्वारा ।

(ब) राष्ट्रपत्र दिवस पर ।

(ग) किसी अन्य महत्वपूर्ण समारोह के अवसर पर जैसा कि महानिवेशक आदेश करें ।

(2) राष्ट्रपति के निशान के बावजूद राष्ट्रपति विवेशो प्रभुता सम्पन्न व्यक्तियों, गणराज्य अध्यक्ष या राज्यपालों के लिए, उनके अधिकार थोक में, गिराए जाएंगे ।

(3) राष्ट्रपति के निशानों को, जब उन्हें निकाल कर से जाया जा रहा हो, सता सलामी शब्द द्वारा अत्यंत सम्मान के साथ अधिकारियों द्वारा सैलूट देकर और बैड द्वारा राष्ट्र गान की धून देना कर प्राप्त किया जाएगा ।

11. सट पर स्टरक्सक छवजा :—(1) महत्वपूर्ण समारोह पुनर्निवेशक या भारत से बाहर सट पर अंतर्राष्ट्रीय तट-रक्षक प्रदर्शन के बौरान तटरक्षक छवजा को उपस्थित ज्येष्ठ स्टरक्सक अधिकारी के विवेकानुसार स्टरक्सक अवसरण दल के साथ ले जाया जा सकेगा ।

(2) उन देशों में जिनकी सरकार को भारत सरकार ने मान्यता दी हुई है, तटरक्षक छवजा को स्टरक्सक टुकड़ियों द्वारा निम्नलिखित महत्वपूर्ण समारोह के अवसरों पर से जाया जा सकेगा, अर्थात् :—

(क) जब राज्याध्यक्ष या उनके प्रतिनिधि हों, या

(ब) जब तटरक्षक छवजा के लोग के कारण कोई गतिरुद्धरण या अवाश्व होने की संभावना हो ।

(3) महानिवेशक या उपस्थित ज्येष्ठ स्टरक्सक अधिकारी के विवेकानुसार स्टरक्सक छवजा को तट पर छवज बैड पर भारत में या किसी ऐसे देश में जिसकी सरकार को भारत गार्हतार ने मान्यता दी हुई हो, ऐसे अवसरों पर जैसे “बोर्डिंग रिट्रोट या मंच से गुजरना (मार्चपास्ट) या पुनर्निवेशक” के दौरान सलामी मंच पर फहराया जा सकेगा ।

(4) उपनिदेश (2)(2) और (3) में विनिर्दिष्ट अवसरों से भिन्न किसी अवसर पर तटरक्षक छवजा की परेड अधिकृत होगी ।

12. सेवारत पोत :—(1) सेवारत सभी तटरक्षक पोत निम्नलिखित निशान लगाए रहेंगे :—

(क) तटरक्षक छवजा :—एक नीली छवजा जिसके बीच में फ्लाई की ओर तटरक्षक संप्रतीक होगा ।

(ख) राष्ट्रपति छवज की लंबाई चौड़ाई निशान से कम होगी, यह छवज दंड पर, जब बंदरगाह में हो, लंगर पर या बोथा के साथ स्थिर होगा या किनारे पर बैठा रहेगा । इक या डॉकयार्ड हैडस में पोत छवज दंड पर राष्ट्रपति छवज नहीं लगाएंगे ।

(ग) निधा 9 में विनिर्दिष्ट पत्राका ।

(2) त्रै पोत जो भारत नहीं हैं, अन्य जलाक्षतरण के अवसर के विनाय प्रियो अन्य अवसर पर निशान नहीं लगाएंगे ।

13. तटरक्षक छवजा लाना :—(1) तटरक्षक निशान निम्नलिखित स्थितियों में लगे रहेंगे :—

(क) बंदरगाह में — ऐसा इन स्टाफ पर,

(ख) मधुष में — ऐसा इन स्टाफ पर जहाँ संभव हो, किन्तु खराब मौसम में या जहाँ ऐसा न स्टाफ उपलब्ध न हो ऐसे कारणों से जैसे पोत को कार्ट-वाई के लिए अनुमति दी गई हो और इसी प्रकार की स्थिति में स्टाफ पर पोछे की ओर अधिरक्षन पर किसी उपयुक्त स्थिति में लगाया जाहिए ।

(2) उपस्थित ज्येष्ठ अधिकारी आवश्यक एक उपस्थित को, विशेषकर जहाँ उक वे एक ही वर्ग के पोतों से संबंधित हैं, व्यवस्था करेंगे ।

14. निशान—फहराना और नोचे खीचना :—(1) पोत अवसर-प्रवर्तन निशान (राष्ट्रपति छवज और तटरक्षक छवजा) प्रत्येक दिन सुबह 8 बजे या जैसा कि ज्येष्ठ अधिकारी निवेश दे, ये सारे बिन सूर्योस्त तक लगे रहेंगे किन्तु ऐसा मौसम या ज्येष्ठ अधिकारी द्वारा किए गए निवेश के प्रधानी होगा और उन्हें धूर्योस्त होने पर नोचे खीच लिया जाएगा ।

(2) जब निशान फहराने के समय बैठ बजाने का आवेदन आए तो भारतीय राष्ट्रपति की धून बजाई जाएगी ।

(3) विदेशी पत्रकारों में भारतीय राष्ट्रपति के तुरन्त बाद उस देश के राष्ट्र गान की धून बजाई जाएगी जिसमें पत्तन स्थित है ।

(4) जब बैठ की परेड न को जानी हो तो बिगल हारा अनरल रिलूट दिशा जाएगा ।

(5) यदि छवजा दिग्जोई देने के लिए प्राप्ति प्रकाश हो तो उसे पूर्वगामी उपनियामों में उपर्युक्त समय से पूर्व या उसके पश्चात तब तक फहराया जाएगा जब तक कि ऐसा न करने के परामर्श कारण न हों किन्तु ऐसा तब किया जाएगा जब कोई पोत अपनी स्थान पर आपना आ जाता है या दावाधीन हो या किसी अन्य भारतीय तटरक्षक पोत के पास से गुजर रहा हो, उससे मिल रहा हो, उसके साथ

सम्मिलित हो रहा हो या उससे अलग हो रहा हो या समुद्र में किसी पोत या पोतों के साथ लाइन बना रहा हो या ऐसे स्थान पर जहाँ से भूमि दिखाई दे रही हो या निकट हो और विशेषकर जब वह किसी किले, वेटरी, सिगनल या तटरक्षक स्टेशन, लाइट हाउस या नगर से गुजर रहा हो या उसके पास पहुँच रहा हो ।

15. प्लाण्डे नीचे करना :—पोत किसी भी विदेशी पोत के लिए किसी भी स्थिति में अपने प्लाण्डे नीचे नहीं करेंगे जब तक कि विदेशी पोत पहले ही या उसी समय उसके लिए अपने प्लाण्डे नीचे नहीं कर लेते हैं ।

16. निशान मुकाना :—(1) तट पर किसी अंत्येष्टी या बफन के लिए मुके हुए निशान उस समय नीचे खींचे जाएंगे जिस समय अंत्येष्टी याकां उस स्थान से गुल होने वाली हो जहाँ शब फड़ा हुआ है और उन्हें दाह-संस्कार या दफन के पश्चात् पर्याप्त समय बीत जाने के बाद फिर से फहराया जाएगा ।

(2) जब शब पोत से जाने वाला हो तो निशानों को उस समय खींचा जाएगा जब शब को उस स्थान से हटाया जाए जहाँ वह पोत के फलक पर पड़ा हुआ था और उन्हें दाह-संस्कार या दफन के पश्चात् पर्याप्त समय बीत जाने के बाद फिर से फहराया जाएगा ।

(3) समुद्र में अंत्येष्टी के लिए, निशान उस समय नीचे खींचेंगे जब शब को उस स्थान से हटाया जाए जहाँ वह पड़ा हुआ है और उन्हें अंत्येष्टी होने के पश्चात् फिर से फहराया जाएगा ।

(4) जब शब को किसी पोत से दाह-संस्कार या दफन की प्रतीक्षा करने के लिए हटाया जाए तो निशान नहीं मुकाए जाएंगे बल्कि उसे ले जाने वाली नौका का निशान भुका रहेगा ।

(5) जब निशानों को सारे बिन मुके रहने का आदेश दिया जाए तो उन्हें उस समय पूरा फहराया जाएगा जिस समय निशान मुबह फहराये जाएं, और उन्हें सुरक्षा नीचे मुका दिया जाएगा । सूर्यास्त के समय उन्हें पहले पूरा फहराया जाएगा और उसके पश्चात् आम रोति में नीचे किया जाएगा ।

(6) जब किसी विदेशी पतन में सबूद देश के पोत/युद्ध पोत अपने किसी राष्ट्रिक की मृत्यु पर अपने निशान मुकाते हैं तो पोत शिष्टाचार के नाते ऐसा करते हुए अपने निशान मुकाएंगे । ऐसी किसी अवसर पर भारतीय पतन में किसी विदेशी पोत के भौजूद होने की बात में कंपनी पोत केवल अंत्येष्टी के बिन अपने निशान मुकाएंगे जब तक कि महानिरेशका या उपस्थित ज्येष्ठ तटरक्षक अधिकारी ने विशेष आवेदन कर दिया हो ।

(7) किसी लंगर स्थान के पास पहुँचने वाले या बढ़ों से न जाने वाले पोत जहाँ किसी अन्य देश के पोत मुख्य स्था पर मुके हुए विदेशी राष्ट्रीय ध्वज लगे हुए हों या उनके निशान मुके हुए हों, जो पतन में पोतों को दिखाई पड़ें, विदेशी राष्ट्रीय ध्वज मुका हुआ फहराएंगे या मुका रखेंगे या अपने निशान मुके हुए रखेंगे ।

(8) किसी ऐसे ज्येष्ठ अधिकारी की मृत्यु पर (जो युद्ध में न हुई हो) जिसका झंडा किसी पोत या तटरक्षक स्टेशन पर लगा हुआ हो, उसका झंडा मुका दिया जाएगा और उसे अंत्येष्टी के दिन सूर्यास्त तक मुका रखा जाएगा और सूर्यास्त के पश्चात् उसे पूरा फहराया जाएगा और बाद में उसे उतार दिया जाएगा ।

(9) यदि अंत्येष्टी पोत या पतन से किसी ऐसी दूरी पर की जानी हो जहाँ झंडा लगा हुआ हो बहाँ झंडे को उस दिन सूर्यास्त तक मुका रखा जाएगा जिस दिन शब को दफन करने या दाह-संस्कार के प्रयोजन के लिए पोत या पतन से हटाया जाए ।

(10) राष्ट्रपति की मृत्यु पर निशान मुकाने से संबंधित नियम, जो नियम 7 में अंतर्विष्ट हैं, उपराष्ट्रपति या प्रधान मंत्री की मृत्यु होने की दशा में भी लागू होंगे ।

17. पोत ध्वज मंडन :—(1) प्रत्येक पोत का जिसे आवश्यक सामग्री का प्रदाय किया गया है, गणतंत्र और स्वतंत्रता दिवस पर निशान फहराने के समय से सूर्यास्त तक पतन में पूर्ण रूप से ध्वज मंडन किया जाएगा ।

(2) याकांधीन पोत और ऐसे पोत का जो ड्रेसिंग लाइन से युक्त नहीं हैं मस्तूल शोर्वा पर निशानों से और जैक स्टाफ पर राष्ट्रीय ध्वज से ध्वज मंडन किया जाएगा । यह पढ़नि उपस्थित ज्येष्ठ अधिकारी के आवेशों से अन्य पोतों द्वारा भी अपनाई जाएगी यदि विद्यमान स्थिति संपूर्ण पोत ध्वज मंडन को समीचीन बना देती है ।

(3) उपस्थित ज्येष्ठ अधिकारी के आदेश से पोतों का, किसी राज्याध्यक के दोरे के अवसर पर किसी राज्याध्यक के मंडे की मौजूदगी में और कुछ विदेशी समारोह अवसरों पर पोतों की मौजूदगी में या संबद्ध वेशों के जल में ध्वज मंडन किया जाएगा । ध्वज मंडन की रीति और समय का, जिसके दौरान पोत का ध्वज मंडन किया जाएगा, परिस्थितियों के अनुसार प्रत्येक अवसर पर उल्लेख किया जाएगा ।

(4) ऐसे अवसरों पर जब पोत का किसी भारतीय समारोह या ध्वक्ति के सम्मान में ध्वज मंडन किया जाए महातिवेशक/महानिरीक्षक/उपमहानिरीक्षक के मंडे/पतन का लगाए हुए पोत केवल ऐसे मस्तूलों पर तटरक्षक ध्वजों लगाएंगे, जिनका अधिभोग उपरोक्त में से कोई भी न कर रहा हो और अन्य पोत मस्तूल/मस्तूल शीर्ष पर तटरक्षक ध्वजों लगाएंगे ।

18. तटरक्षक पोत का जलावत्तरण :— (1) सभी पोतों के अलावत्तरण पर भूते ही पोत डाकपाई में बना हो या टेल द्वारा, जहाँ 'तामकःण समारोह' हो तटरक्षक छवजा ऐसाइन स्टाफ पर लगाई जाएगी और राष्ट्रीय छवज जैक स्टाफ पर अन्य किसीं संडे को फहराने को आवश्यकता नहीं है।

(2) संडे का अधिकतम आकार इस प्रकार होगा :—

- | | |
|-------------------|------------|
| (क) छवजा | ~ 8 व्रैइथ |
| (ख) राष्ट्रीय छवज | — 6 व्रैइथ |

अध्याय 4

नौकाओं पर संडे

19. नौकाओं पर तटरक्षक छवजा लगाना :— (1) नौकाओं और तटरक्षक कार्य नौकाओं पर तटरक्षक छवजा निम्नलिखित अवसरों पर लगाई जाएगी :—

(क) विदेशी जल में।

(ख) सभी अवसरों पर दिन-रात उस समय जब किसी विदेशी युद्ध पोत के पास जाए।

(2) भारत में नीलाएं उपनिषद् (1) के खंड (ख) के अनुसार निशान के समय के सूर्योदय तक सिवाय उसके जो उपनिषद् (1) के खंड (ख) में विनिष्ठित अवसरों पर अपनी छवजा लगाएगी।

(3) विदेशी जल में नीलाएं जब वह दिन निकला और अधेरा होने के बीच किसी समय अपने पोतों से दूर हों और उपनिषद् (1) के खण्ड (ख) में विनिष्ठित अवसरों पर अपनी छवजा लगाएगी।

(4) जब पोतों पर निशान लगे हुए हों तो नौका छवजा भी (यदि नौका तैर रही हो) लगुको रहेगी।

(5) जब किसी नौका में शब्द ले जाता जो रहा हो, आहे ऐसा भास्तीय जल में किया जा रहा हो या विदेशी जल में, तो नौका की छवजा लगुकी रहेगी।

20. नौका पर संडे/पताका :— अपने संडे या पताका लगाने के हकदार ज्येष्ठ अधिकारी और ऐसे अन्य अधिकारी जो किसी पोत की कमान में या तटस्थापन में कोई वियुक्त घास्ति कर रहे हों, जब वह किसी नौका में किसी समारोह के अवसर पर अगवाड़ में अपनी पक्कित का लागू झंडा/पताका या मस्तुल शीर्ष पताका लगा सकेंगे।

21. नौका पर रंग रोगन :— (1) बजरा और महानिशेशक तथा तटगारद के अन्य ज्येष्ठ अधिकारी की किसी अन्य अधिकारी नौका पर सफेद रंग का रंगान किया जाएगा।

(2) उपनिषद् (1) में अंतिष्ठि शर्ते के सिवाय, सरद क्षेत्रीय कमांडर के अनुमोदन से कमान अधिकारी के कियेकानुसार कोई भी रंग या अनेक रंगों से नौका पर रोगन किया जायेगा।

अध्याय 5

सम्मान और सम्मान चिन्ह

22. सम्मान चिन्ह :— (1) तटरक्षक पान और तटरक्षक स्थापन पर जो भाई से उपेष्ठ प्रविकारियों और प्रविकारियों तथा प्रविधारियों के भाने और बाने पर उन्हें सम्मान दिया जाएगा।

(2) ऐसा सम्मान सामान्याया के बीच निशान फहराने और सूर्यस्त के बीच निशान किसी समंज्ञ उपेष्ठ अधिकारी विशेष परिस्थितियों में इन चिन्हों का अधिस्तरेजन कर सकेगा।

(3) सभी समारोह पर "चौकसी" और सम्मान सीटी का प्रयोग किया जाएगा। समारोह दौरे पर रक्षणों और बैठकों की परेंज को जाएगी।

23. विगुल :— "चौकसी" किसी ऐक को देव सम्मान सूचक है और उसे राष्ट्रपति, प्रधान मंत्री और रक्षा मंत्री के लिए निशान फहराने और सूर्यस्त के बीच विगुल पर बजाया जाएगा और इस के साथ-साथ ज्येष्ठ अधिकारियों के लिए भी ऐसा ही निशान जाएगा। यदि वे वर्दी में हों और ऐसा उन सब के किसी पोत के पतक पर आने और वहाँ से जाने या तटरक्षक स्टेशन पर स्थापन का दौरा करते समय किया जाएगा।

24. सम्मान सीटी :— (1) निशान फहराने और सूर्यस्त के बीच पोत पर आने या वहाँ से जाते समय निम्नलिखित के लिए सम्मान सीटी बजाई जाएगी :—

(क) राष्ट्रपति

(ख) वर्दी में सभी ज्येष्ठ अधिकारी, जैसा कि नियम 5 में उपलब्धित है।

(ग) सेवारत पोत (जिसके अंतर्गत तट स्थापन भी है, जहाँ पश्चातवर्ती शर्त लाया है) या समुद्र में चल रहे टैंडर को कमान में कोई विपुलित घास्ति करने वाले वर्दी पहने हुए नटगारद के सभी सामान्य डब्बों अधिकारी और सेवारत तट स्थापन की कमान में कोई विपुलित घास्ति करने वाले वर्दी पहने हुए सभी असामान्य डब्बों तटरक्षक अधिकारी जब वे पोत के फलक पर आए या वहाँ से जाए। ब्रोद्वारा फलक पर आने वाले अधिकारियों के लिए जब तक सम्मान सीटी नहीं दी जाएगी जब तक कि वे पहने से तय किए गए समय पर न आ रहे हों। किसी अन्य तट स्टेशन पर सीटी नहीं दी जाएगी।

25. राष्ट्रगान :— (1) राष्ट्र गान के दो पाठ हैं :—

(क) पूर्ण पाठ जिसमें "जन गण मन" के गीत का पहला पार होगा — जिसके गाने का नम्र 52 सेकेन्ड होगा; और

(ख) संक्षिप्त पाठ, जिसमें प्रयम पद की पहली और अंतिम पंक्ति होगी — जिसके गाने का समरलगभग 20 सेकेण्ड हुआ।

(2) ये दोनों पाठ, जब बैंड उपलब्ध हों तब निम्न-सिखित अवसरों पर गाए जाएंगे :—

(क) पूर्ण पाठ

(i) ऐसे सभी समारोहों पर, जब राष्ट्रपति उपस्थित हों — जिसके अंतर्गत राष्ट्र के नाम किसी राष्ट्रीय दिवस पर राष्ट्रपति द्वारा दिया जाने वाला संदेश भी है।

(ii) ऐसे सभी समारोहों पर जब राष्ट्रपाल या उप-राष्ट्रपाल प्रधारित, अपने राज्य या अपने सभ राज्यकोश के भीतर समारोह परेड में उपस्थित होते हैं।

(iii) मणितंत्र दिवस और स्वतंत्रता दिवस परेडों पर जब राष्ट्र छवि फहराया जाता है।

(4) “तिथान” फहराने के समय जब गारद और बैंड की परेड कराई जाए।

(ख) संक्षिप्त पाठ

सभी सभ्य समारोहों पर।

26. स्मूजिकल सेल्यूट :— प्राधिकृत अवसरों पर धून द्वारा दिए जाने वाला सम्मान महानिदेशक के आदेश के अनुसार होता।

27. राष्ट्रपति :— राष्ट्रपति का किसी पोत के फलक पर या तटरक्षक स्टेशन पर आगमन पर ऐसी सम्मान गारद द्वारा सज़ाबी शस्त्र द्वारा स्वागत किया जाएगा जिसकी कामान कमांडेट या उपकमांडेट कर रहे हों, अधिकारी सेल्यूट देंगे, बिगुल द्वारा “चौकसी” की धून बजाई जाएगी और बैंड द्वारा राष्ट्र धून बजाई जाएगी। यदि बैंड उपलब्ध नहीं हैं तो बिगुल द्वारा जनरल सेल्यूट बजाया जाएगा।

28. विशिष्ट विदेशी :— ऐसे विशिष्ट विदेशियों को जिनका अन्तर्वेश के गोत पर आते समय सम्मान गारद द्वारा स्वागत किया जाता है, तटरक्षक पोत पर आते पर इसी प्रकार स्वागत किया जाएगा।

स्पष्टीकरण—दूसरे देश का राष्ट्र गत हमेशा पूरा बजाया जाएगा

29. किसी गणतंत्र के राष्ट्रपति, शाही परिवार का कोई व्यक्ति, जोऽऽ अधिकारी जब किसी नौका में गुजर रहे हों :—
 (1) जब कोई राष्ट्रपति या शाही परिवार का कोई व्यक्ति नौका या टैंडर में गुजर रहा हो जब नियम 5 में विनियिष्ट ज्येष्ठ अधिकारी ऐसी नौका या टैंडर में, जिस पर नंडा या पताका फहरा रहा हो, उसी देशे पोत के पास से गुजर रहा हो, जो याकांडीन नहीं है तो गारद और बैंड की परेड की जाएगी और नियम 37, 38 और 40 में उपस्थित सेल्यूट का बिगुल बजाया जाएगा।

(2) यदि पोत याकांडीन नहीं है और उस पर दिशा ऐसे अधिकारी का नंडा या पताका लगा हुआ है जो ऐसे ज्येष्ठ अधिकारी से ज्येष्ठ है तो किसी नौका या टैंडर में गुजर रहा है, बिगुल पर “चौकसी” की धून बजाई जाएगी किन्तु गारद और बैंड की परेड नहीं की जाएगी।

30. महानिदेशक :— महानिदेशक का, जब उसका नंडा लगा हुआ हो, किसी पोत के फलक पर या तटरक्षक स्टेशन पर आगमन पर ऐसी गारद द्वारा शस्त्र सलामी द्वारा स्वागत किया जाएगा जिसकी कामान उपकमांडेट या स्थायक कमांडेट कर रहे हों, अधिकारी सेल्यूट देंगे, बिगुल द्वारा “चौकसी” की धून बजाई जाएगी और बैंड द्वारा राष्ट्र धून बजाई जाएगी, जैसा कि नियम 29 में उपलब्ध है। यदि बैंड उपलब्ध नहीं है तो बिगुल द्वारा जनरल सेल्यूट बजाया जाएगा।

31. अंतीम तटरक्षक कमांडर :— महानिरीक्षक या उपमहानिरीक्षक का जब उसका नंडा या पताका अंतीम तटरक्षक कमांडर के लिए लगा हुआ हो, किसी पोत के फलक पर या तटरक्षक स्टेशन पर आगमन पर ऐसी गारद द्वारा शस्त्र सज़ाबी द्वारा स्वागत किया जाएगा जिसकी कामान उपकमांडेट या स्थायक कमांडेट कर रहे हों, अधिकारी सेल्यूट देंगे, बिगुल द्वारा, “चौकसी” की धून बजाई जाएगी और बैंड द्वारा राष्ट्र धून बजाई जाएगी, जैसा कि नियम 29 में उपलब्ध है। यदि बैंड उपलब्ध नहीं है तो बिगुल द्वारा जनरल सेल्यूट बजाया जाएगा।

32. सिविलियन नी आई पी से संवंधित सेल्यूट :— (1) सेल्यूट देने का ढंग (सिविलियन) :— ऐसे सिविलियन उच्च पदस्थ व्यक्ति जिनके लिए तटरक्षक परेड कराई जाए या जिन्हें सम्मान गारद दिया जाता हो, उसका उत्तर इस प्रकार देंगे :—

(क) सज्जन व्यक्ति :— प्रथमा सीधा हाथ इस ढंग से उठाएं जिन्हें कि उंगलियां थोड़ी सी अंदर की ओर झुकी हुई हों और माथे की दाई ओर की थोड़ी सी छूटी हुई हों, हथेली थोड़ी अंदर की ओर ही जिसे हाथ का ऊंटी हिस्सा बाईं आंख के सामने रहे और पीछे का हिस्सा बाहर की ओर। हाथ के ऊंट उत्तर दिशा में नीचे किनारे जाए जब उपलब्ध दूसरे जाने वाले हों या एक से अधिक पुप होने की दृश्या में प्रत्येक मुप आगे जा चुका हो।

(ख) महिलाएं सेल्यूट का उत्तर ढंग (क) में उपलब्ध रीति या किसी अन्य उपयुक्त ढंग से दे सकेंगी।

(2) ए डी सी, परेड कमांडर और ज्येष्ठतम अधिकारी की स्थिति :— वी आई पी डाइस पर प्रकेलं खड़े होंगे। यदि उनके ए डी सी हों तो वे सलामी गंव के दोनों ओर खड़े हों सकेंगे और वे वी आई पी ने थोड़ा पीछे रहेंगे। परेड कमांडर सेल्यूट देने के पश्चात और परेड के सामने से गुजरते हुए कालम को छोड़ सकेंगा और डाइस के नीचे वी आई पी के ठीक बाद ऐसी और जिससे परेड मार्च करे पोषिशन संधार सकेंगा।

33. गृहनिरोक्षन/उम्मीदवालीकरण:— ऐसे महानिरीक्षक या उम्मीदवालीकरण का जिसे कोई ऐसा छांडा या पत्राचार लगा रखा हो जो नियम 31 के अंतर्गत नहीं आता किसी ऐसी वारद, द्वारा जिसी कोई सहायक कमाई कर रहा हो तो उसके फलक पर या उसके आगमन पर स्वागत किया जाएगा।

34. प्रस्थान और आगमन के समय सम्मान:— पूर्वगामी नियमों में तटरक्षक सम्मान और सम्मान चिन्हों का जब उक्त कि अस्य आवेदन न दिया हो, विनिविष्ट व्यक्तियों और पदधारियों के आगे और जाने के समय प्रयोग किया जाएगा।

35. सूर्योदय और सूर्यास्त के बीच गुजारने वाले दों पोतों के लिए समारोह:— जब दो तटरक्षक पोत एक दूसरे के पास से गुजरे जिनमें से केवल एक ही यात्राधीन हो तो :

(क) यदि पोत पर राष्ट्रपति या किसी उपेष्ठ अधिकारी का छांडा लाए हों तो कनिष्ठ पोत विशेष पर “बौकपी” बजाएगा और दूसरा पोत भी तुरन्त ऐसा ही करेगा और पोड़े में अंतराल के बाद “समारोह समाप्ति” का संकेत देगा। यदि गारद और बैठ की परेड होनी हो तो कनिष्ठ पोत ऐसा सेल्यूट देगा जिनकी बाबत नियम 29, 30, 31, 32 और 33 में उल्लिखित; किया गया है और उपेष्ठ पोत या गारद “बंधेश्वर” पर सेल्यूट लेना।

(ख) यदि कोई भी पोत किसी उपेष्ठ अधिकारी का छांडा लाए हुए नहीं है तो विशेष का प्रयोग महीं किया जाएगा बल्कि ऐसे ही सम्मान चिन्हों का प्रयोग किया जाएगा और उसका उत्तर सम्मान नीटी द्वारा दिया जाएगा।

(2) सभी मामलों में जब दोनों ही पोत यात्राधीन हों उपनियम (1) में उल्लिखित सम्मान चिन्हों का प्रयोग किया जाएगा और उसका उत्तर केवल सम्मान सीटी द्वारा दिया जाएगा।

36. नौकाओं में, सेल्यूट और सम्मान चिन्ह:— (1) नौकाओं में सम्मान देने और उसका उत्तर देने के लिए निम्नलिखित नियमों का पालन किया जाएगा:—

(क) नौका का भारताधिक अधिकारी या कोक्सिन हमेशा सेल्यूट देगा जिवाय ऐसी स्थिति के जहां नौका का डिजाइन ऐसा हो कि भारताधिक अधिकारी या कोक्सिन ऐसे स्थान पर हो जहां से वह दिखाई न पड़े। ऐसी स्थिति में नौका के चालक बल के मद्दतों में से किसी एक को सेल्यूट देने के लिए निर्देश दिया जाएगा।

(ख) नौका में अधिकारियों में उपेष्ठ व्यक्ति भी सेल्यूट देगा जहां ऐसा करना अवश्यक हो।

(ग) वह अधिकारी जिसे सेल्यूट दिया जा रहा है सेल्यूट का उत्तर देगा यदि उसने किसी और अधिकारी को ऐसा करने का निर्देश नहीं दिया है।

यदि कोई अधिकारी उपलब्ध नहीं हो तो भोका के कोक्सिन को सेल्यूट का उत्तर देने का मिदेश दिया जा सकेगा।

(घ) जब सथान रैक के अधिकारियों को ले जाने वाली नौकाएं एक दूसरे के पास से गुजरें तो एक दूसरे को सेल्यूट नहीं देंगी।

(2) सेल्यूट के अतिरिक्त महत्वपूर्ण व्यक्तियों और उपेष्ठ अधिकारियों के लिए विशेष सम्मान चिन्हों या प्रयोग किया जा सकेगा।

(3) सभी अधिकारियों को जब वे नौका में प्रवेश कर रहे हों या उसे छोड़ कर जा रहे हो नौका के भारताधिक अधिकारी या कोक्सिन द्वारा सेल्यूट दिया जाएगा।

(4) निर्जी नौकाओं में अधिकारी और भर्ती किए हुए व्यक्तिएँ ऐसे सेल्यूट ले और दें सकें जिन्हें शिष्टाचार के रूप में उपर्युक्त किया जाए किन्तु केवल ऐसी ही अधिकारी या भर्ती किया गया व्यक्ति जो सबसे अधिक सुविधाजनक स्थिति में हो सेल्यूट देगा।

37. सम्मान गारद:— (1) निम्नलिखित व्यक्ति सम्मान गारद के हकदार हैं:—

(क) राष्ट्रपति जब उनका आगमन/या प्रस्थान पछिक या जासकीय कार्य के लिए हो और समूचित सटरक्षक प्राधिकारियों को उसकी सूचना दे दी गई हो।

(ख) उपराष्ट्रपति

(ग) प्रधान मंत्री

(घ) रक्षा मंत्री (जिसके अंतर्गत रक्षा भद्रालय में राष्ट्र मंत्री और उप मंत्री भी हैं) को तट रक्षा से प्रत्यक्ष रूप से संबंधित समारोहों पर ही सम्मान गारद पेश किया जाएगा या ऐसे अपवाहिक अवसरों पर किया जाएगा जिनके बारे में सरकार यह अधिनिर्धारित करे कि सम्मान गारद पेश करना आवश्यक है।

(2) सम्मान गारद की सदस्य संख्या:—

(क) राष्ट्रपति के लिए एक सौ पचास सामान्य सैनिक,

(ख) उपराष्ट्रपति और प्रधान मंत्री के लिए सौ सामान्य सैनिक,

(ग) अन्य सभी के लिए पवास सामान्य सैनिक।

(3) सकल सेवा:— तटरक्षक स्टेशन पर सम्मान गारद की अवस्था तट गारद द्वारा की जाएगी।

(4) सम्मान गारद की अवस्था सूर्योदय और निकान फहराने के बीच नहीं की जाएगी।

टिप्पणी:— तट गारद से सम्मान गारद की परेड की अपेक्षा की जा सकती यदि उस स्टेशन पर सैन्य सेवा में से कोई भी मौजूद नहीं है।

38. गारद ता समय और बैंड:—(1) वंशलाह में, निम्ननिवित समाचार समय के भीतर गारद और बैंड की परेल की जाएगी:—

(क) अविदार और रविवार के अविदित स-ताह के अन्य दिन:—निशान फहराने के बाद से दिन के एक बजे तक और दिन के दो बजे से शुरूस्त या छः बजे तक जो भी पूर्व हो।

(ब). शनिवार और रविवार:—निशान फहराने के बाद से दिन के बारह बजे तक। और किसी समय तक तक ऐसा करने की आवश्यकता नहीं होगी जब तक कि उन्निटा (2) में मिनिट्स के प्रियाध पूर्वतः ऐसा करने का विवेष अदेश न दिया गया हो।

(2) गारद और बैंड को आवश्यकता सप्ताह के दिनों में "निशान" और (शुरूस्त) या दिन के छः बजे के बीच किसी समय हो सकती और रविवार को बारह बजे तक जब तक कोई अन्य अदेश न दिया जाए और ऐसा उस समय किया जाएगा जब कोई ऐसा पोत या नौका जिस पर राष्ट्राभित का झंडा या राष्ट्र भानक या किसी गणमान्य अविक्त का झंडा ना हुआ हो या कोई यिदेशी युद्धपोत एक दूसरे के पास में गुजरे।

39. तटरक्षक व्यक्तिक सेल्यूट:—तटरक्षक सेल्यूट बोए हाथ को टीफी हैट या पांडी या हेलमेट तक नैसिक रूप से और चुस्ती से लाकर दिया जाएगा। किन्तु ऐसी तेजी से नहीं किया जाएगा और अटूठे और उंगलियों को सीधा और साप विताकर रखा जाएगा, कोहनों को कंधे के साथ सीधा लाइन में रखा जाएगा, हाथ और बाजू को एक लाइन में रखा जाएगा तथा अपूढ़ा दाईं भाँते के बाहरी किनारे के साथ लाइन में रखेगा और हाथ की हथेली बोई और रहेगी।

(2) किसी प्रविकारी के गुजरते समय सेल्यूट उनके मिलने से तुरन्त पूर्व अतरभ कर दिया जाएगा और उसे ता तक जारी रखा जाएगा जब तक कि प्रविकारी पूर्ण छ होने वक्त से गुजर न जाए और सेल्यूट देने वाला अविक्त ऐवा करते समय उसकी ओर देखना रहेगा।

(3) प्राप्ति प्रविकारी उसे दिल गए सेल्यूट का उत्तर देगा। यदि सेल्यूट दो या अधिक प्रविकारियों को दिया जाता है तो उसका उत्तर केवल ज्येष्ठ प्रविकारी द्वारा दिया जाएगा।

(4) तटरक्षक सेल्यूट सभी अवसरों पर दाएं हाथ से ही दिया जाएगा।

(5) सारे करड़ों में सेल्यूट टोपी को ऊपर उठाकर या उनियम (1) के अनुसार दिया जाएगा।

(6) प्रविकारियों के बीच सेल्यूट:—किन्तु प्रविकारी आहे वह अकेला ही या दूसरे प्रविकारियों के साथ हो उस समय ज्येष्ठ प्रविकारी को सेल्यूट देगा जब वह उसके पास

से गुजरे, उसे संबोधित करे या वह प्रविकारी उसे संबोधित करे और ज्येष्ठ प्रविकारी इस सेल्यूट का उत्तर देगा। किन्तु प्रविकारी जब वह ज्येष्ठ प्रविकारियों के साथ हो केवल उन्मे प्रविकारियों को ही सेल्यूट देगा जो पन्नात् कथित से ज्येष्ठ हों।

40. कलक पर सेल्यूट:—(1) नैरपे पर भाते समय या बाटांर हैक पर सेल्यूट सभी प्रविकारियों और भर्ती किए गए अविक्तियों द्वारा दिया जाएगा।

(2) सभी अवीनस्थ प्रविकारी, नाविक और भर्ती किए गए अनुचर जब भी कोई प्रविकारी उन्हे संबोधित करे या वे प्रविकारी को संबोधित करें, सेल्यूट देंगे और उनके पास से हटते समय किर सेल्यूट देंगे।

(3) सभी प्रवीनस्थ प्रविकारियों, नाविकों और भर्ती किए गए अनुचरों के पास से जब भी कोई प्रविकारी गुजरे तो वे सावधान खड़े हो जाएंगे।

(4) तट यारद के सभी सदस्य, यदि वे हैट ऐस पहन रहे हों, अवेक्षित दिया को ओट देंगे और सेल्यूट देंगे:—

(क) जब भी कोई राष्ट्र गान या किसी विदेशी राष्ट्र गान की धून बजाई जाए।

(ख) जब निशान फहराया जाए, या

(ग) जब विशान शूर्यास्त के समय नीचे किये।

स्पष्टोकरण:—भर्ती किए गए अविक्तियों के बल लाइन बनाएंगे सावधान खड़े रहेंगे, प्रविकारी या भर्ती किया गया भारसाधक अविक्त सेल्यूट देगा।

41. तट पर सेल्यूट:—(1) निम्नलिखित को सेल्यूट दिया जाएगा:—

(क) राष्ट्रपति

(ख) भर्ती में तटरक्षक प्रविकारी

(ग) सारे करड़ों में तटरक्षक प्रविकारी जो अपनी हैसियत के कारण या इस कारण कि वे उसी पोत से संबन्धित हैं और प्रविकारी के रूप में जाने जाते हैं।

स्पष्टात्मकरण:—सेल्यूट सम्मान चिन्ह होने के साथ-साथ गिर्दाचार और अच्छी आदतों का प्रतीक है। सभी प्रविकारियों और भर्ती किए गए अविक्तियों से यह आशा की जाती है कि वे ज्येष्ठ प्रविकारी को सान्यता प्रदान करें और उसे विनियत सेल्यूट दें।

(2) निम्नलिखित परिस्थितियों में सम्मान देने से संबन्धित नियम चिन्ह नीचे उपलब्धित किए गए हैं:—

(क) अवीनस्थ प्रविकारी नाविक या भर्ती किया

गया अनुचर, जो पीछे मुळकर खड़ा हो सामने की ओर देखेगा और उस प्रविकारी को सेल्यूट देगा जो उसके पास से गुजरे, यदि वह उस

यन्यत्र बैठा हुआ हो जब कोई अधिकारी उसके पास आए तो वह ऊपर उठेगा, सावधान खड़ा होगा और सेल्यूट देगा।

- (ख) किसी अधिकारी या भर्ती किए गए व्यक्तिके भार साधन में, भर्ती किए गए व्यक्तियों के नामिन इन गांधीनी व्यक्ति रहेंगे और अधिकारी या भर्ती किया गया भार साधक व्यक्ति सेल्यूट देगा।
- (ग) जब तट पर अव्योनित अधिकारियों, नाविकों और भर्ती किए गए अनुचरों के शत्रु दल किसी अविद्यारों के पास से गुजर रहे हों या अधिकारी उनके पास से गुजर रहे हों तभी उन्हें सेल्यूट देंगे।
- (घ) ऐसे अधिकारी और भर्ती किए गए व्यक्तियों जो दो पड़ियों वाली मशारों पैडल वाली मशारी या मोटर वाली मशारी, पर मशार हो उस समय में गूढ़ लड़ी देंगे जब उनका यान तब रद्द हो। यद्यपि वे उस समय में गूढ़ अवश्य देंगे जब यान खड़ा हुआ हो।
- (इ) यान में ज्येष्ठ अधिकारी या भर्ती किए गए व्यक्ति जाहेर वे चालक के लिये में हों या यात्री के किसी ज्येष्ठ अधिकारी के पास से गुजरते हुए उसे सेल्यूट देंगे। उस समय यान में बैठे हुए ऐसे यात्री सावधान बैठे रहेंगे।

स्पष्टीकरण :—कोई भी अधिकारी उस समय सेल्यूट की अवधारणा नहीं करेगा जिस समय सवार व्यक्ति या चालक किसी कठिनाई या खतरे में है।

(3) अधिकारी और भर्ती किए गए व्यक्ति निम्नलिखित अवश्यकताओं पर भी सेल्यूट देंगे :—

- (क) किसी अर्द्ध या जनजाते के गुजरते समय,
- (ख) नट गारव द्वारा युली हुई दशा में वे जाएं जाने वाले विदेशी के गुजरते समय।
- (ग) यदि हैड ड्रेस पहन रखो हो तो राष्ट्र गान या किसी विदेशी गान की धूम व्रजाने समय।
- (घ) जब निशान फहराया जाए।

(ङ) जब सूर्यस्त के समय निशान नीचे किये जाएं।

(4) वैयक्तिक अधिकारी और भर्ती किए गए व्यक्ति उस समय सावधान खड़े रहेंगे जिस समय राष्ट्र गान या किसी विदेशी राष्ट्र गान की धूम व्रजाई जाए।

(5) ऐसे स्थानों से एक दूसरे को सेल्यूट नहीं दिया जाएगा जैसे ड्रिल, शैड, रेलवे स्टेशन, रेस पर स्टेंड, बैठक या खेल और उसी जैसे किसी अवसर पर भिवाय ऐसी स्थिति के जब किसी अधिकारी या भर्ती किए गए व्यक्ति वो किसी ज्येष्ठ अधिकारी द्वारा व्यक्तिगत रूप से संबंधित किया जाए, या जब रिंगट दी जा रही हो।

(6) कतिपय ज्येष्ठ अधिकारी अपनी बारों पर युरेक्ष सवारी जंडा लगाने के हकदार हैं। ऐसा जंडा उस समय नहीं लगाया जाएगा जिस समय हकदार अधिकारी में नहीं। संबंधित व्यक्तियों ने कतिपय अधिकारी और सभी भर्ती किए गए व्यक्ति ऐसे जंडों को सेल्यूट देंगे।

(7) उप महानिरीक्षक और उसमें ऊपर की पंक्ति के अधिकारी कार में अपनी उपस्थिति के सफेन के स्थप में निम्नानुसार रेटर प्लेट लगाएँगे :—

एक तारा	— उप महानिरीक्षक
दो तारे	— महानिरीक्षक
तीन तारे	— महानिरीक्षक

42. विना गस्त निरीक्षण :—(1) किसी भी पक्षित का ऐसा कोई ज्येष्ठ अधिकारी या अधिकारी जो पोत की कमात कर रहा हो पाँच कम्पनी का कवराधीन निरीक्षण करें तो निरीक्षण अधिकारी के आगमन पर भर्ती किए गए व्यक्तियों की पंक्तियां दाई और एक एक करके सेल्यूट देंगी। यह भर्ती किए गए व्यक्ति पंक्ति में खड़े यामो व्यक्तियों से ज्येष्ठ रोने जाहिंग।

(2) यदि निरीक्षण अधिकारी यह जाहिंग है कि नाविक और भर्ती किए अनुचर अपने सर न रहें तो “टोपी उतार” ड्रिसकी जाएंगी, अधीक्ष्य अधिकारी अपने सर खुले रखेंगे किन्तु ये सेल्यूट देंगे।

अध्याय 6

अंत्येष्टी के समार सम्मान

43. अंत्येष्टी के समार सम्मान :—किसी सरकारी अंत्येष्टी में भाग लेने वाली नटरक्षक यूनिट भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा जारी किए गए प्रादेशों के अनुसार कार्यवाई करेगी।

44. अधिकारियों और भर्ती किए गए व्यक्तियों के संबंध में अंत्येष्टी सम्मान :—(1) किसी तटरक्षक पोन के अधिकारी या भर्ती किए गए व्यक्ति की अंत्येष्टी पर अंत्येष्टी के समय शवदाह पर या कवर पर या जब उसका समुद्र में जल प्रवाह किया जाए मायकटरी की तीन वाली फागर की जाएंगी।

(2) नट गारद अंत्येष्टियों से मंबंधित मध्यी अवश्यकता पर उपस्थित ज्येष्ठ अधिकारी अंत्येष्टी और फागर करने वाले दलों की सदस्य मंडपा और सेरचना तथा अधिकारियों और भर्ती किए गए व्यक्तियों की संख्या का जो ऐसे दल का भाग हो, विनियमन करें किन्तु यह उपस्थित ज्येष्ठ अधिकारी के पास उपलब्ध साधनों पर निर्भर करेगा।

45. अधिकारियों या भर्ती किए गए व्यक्तियों को सम्मान कर दिया जाए :—(1) सरकारी तौर पर सम्मान केवल उन अधिकारियों या भर्ती किए गए व्यक्तियों की अंत्येष्टी पर, जिनको सेवा करते हुए मृत्यु हुई हो और

जिनका शब्दावह किया जाता है, समव्र में जल प्रवाह किया जाता है तथा नदीयक पत्तन को प्रणोना तथा उपस्थिति पर जहाँ पर मौजूद है दक्षागत जाता है, दिग्ग जाग्या। किन्तु महानिवेशक अपने विवेकानुभाव ऐसे अधिकारियों की अंत्येष्टी पर सम्मान देने का प्राधिकृत कर गएगा जिन्होंने कलिन उच्च नियुक्तियाँ धारित की हों।

(2) यैष अधिकारी या पोर की कमान करने वाले अधिकारी को जाहे वे किसी भी पंक्ति के हों, सभी भर्ती किए गए बक्ति और अनुचर, जो अधीनस्थ अधिकारी से निम्न कोटी के हों पूर्वक्षयित को उम समय मेल्यूट देंगे जब पश्चात् क्षयित उनके पास से उम समय गुजरे जब वे वहाँ इकट्ठे हों।

(3) जब डिविजन, ब्लाटर, वाच, लाइन बनाने पर और बिना शाख निर्देशन के लिए लाइन बनाने के अन्य सभी अवसरों पर भर्ती किए गए बक्ति सावधान रहेंगे।

रक्षा (समन्वय) र. सं. अ. वि. टि. सं. : पात डॉल्यू
0317/2908/डि (एस-II)/88
प्रणव राय, संयुक्तमसचिव (नीमेना)

MINISTRY OF DEFENCE NOTIFICATION

New Delhi, the 22nd November, 1988

S.R.O. 15(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) read with clause (m) of sub-section (2) of section 123 of the Coast Guard Act, 1978 (30 of 1978), the Central Government hereby makes the following rules regarding the ceremonials to be observed and marks of respect to be paid in the Coast Guard, namely :—

CHAPTER 1 PRELIMINARY

1. Short title and Commencement.—These rules may be called the Coast Guard (Ceremonial) Rules, 1988.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires :—
 - (a) "Act" means the Coast Guard Act, 1978 (30 of 1978);
 - (b) "Coast Guard order" means an order issued by the Director General Coast Guard;
 - (c) "Government" means the Central Government;
 - (d) "Service" means the Indian Coast Guard Service;
 - (e) All words and expressions used but not defined in these rules and defined in the Act shall have the meanings assigned to them in the Act.

3. Exercise of power vested in the holder of Coast Guard Office.—Any power or jurisdiction given to, and any act or thing to be done by or before, any person holding any Coast Guard office for the purpose of these rules may be exercised by or done by or before, any other person for the time being authorised in that behalf according to the customs of the service.

CHAPTER 2

STANDARDS AND DISTINGUISHING FLAGS

4. The President.—(1) The National Flag will be hoisted on board ships in harbour, on official buildings and enclosures only when President is present. It will be hauled down at the moment of departure.

(2) Whenever the President embarks on any of the ships in harbour, the National Flag is to be hoisted at the mast or in the most conspicuous part of the ship.

(3) National Flag at Jack Staff.—On occasions when a ship is underway with the President embarked, such ship and all escorting ships shall wear the National Flag at the Jack staff and shall wear the Coast Guard ensign and National Flag continuously day and night.

5. A. Senior Officers' Flags.—The following flags shall be hoisted at the mast by entitled officers as their proper flags :—

(i) Director General.—A blue flag with Coast Guard crest superimposed in the centre of the flag with three vertical stars in the upper, centre and lower cantons next to the fly.

(ii) Inspector-General.—a blue flag with Coast Guard crest superimposed in the centre with two vertical stars in the upper and lower cantons next to the fly.

(iii) Deputy Inspector-General, if Commanding a Coast Guard Region.—A blue flag with Coast Guard crest superimposed in the centre with one star in the centre next to the fly.

(iv) Deputy Inspector-General other than Regional Commanders.—A blue pennant with Coast Guard crest superimposed in the centre with one star in the centre next to the fly.

B. (i) Flags afloat.—Officers entitled to fly flags afloat are : Director-General, Inspector-General and Deputy Inspector-General in command of a Coast Guard Region.

(ii) Flags ashore.—Officers entitled to fly a flag ashore are : Director-General and Regional Coast Guard Commanders.

6. Flags and Pennants Displaced.—The President's flag shall always be worn at the mast, the flag/pennant of Director-General/Inspector-General/Deputy Inspector-General, if necessary, being shifted to another suitable location or ship as the case may require.

7. Flags half-masted.—(1) In the event of the death of the President, ships and establishments shall half-mast colours from the day on which intimation of the death is received and they shall remain at half-mast until sunset on the day of funeral or as ordered.

(2) On the death of other dignitaries, orders concerning the ceremony to be observed shall be issued by the Director-General on each occasion. The usual procedure to be followed shall be for colours to be half-mast on the day of the funeral only.

8. Alternative positions for the hoisting of flags and ensigns.—(1) In ships with masts and superstructures that do not allow the hoisting of flags and ensigns at the customary or authorised positions, such flags may be hoisted at another mast or, if necessary, at the yardarm.

(2) Dressing—Lines.— When suitable centre-line positions cannot be provided aloft for dressing-lines blocks these should be sited at port or starboard yardarms as high as possible.

9. Mast Head Pennant.—(1) All ships in commission and when not wearing a flag or pennant, shall fly at the masthead a Coast Guard Pennant, a blue pennant of 9 cms length with 9 cms breadth at the head and 4.5 cms at the fly, with Coast Guard emblem super imposed at the distance of 15 cms from the head.

(2) If necessary, in order to avoid fouling radio serials and other obstruction aloft, a shorter pennant may be flown, provided it can be easily seen at a short distance from the ship.

(3) At shore establishment in Commission, a masthead pennant shall be flown at the head of the flag staff when a flag staff is fitted.

CHAPTER 3

COLOURS

10. The President's Colours.—(1) The President's Colours shall be paraded on shore in India on the following occasions, namely :—

- (a) by a Guard of Honour mounted for the President;
- (b) on the Republic Day;
- (c) on such important ceremonial occasions as may be ordered by the Director General.

(2) The President's Colours shall only be lowered to the President, foreign Sovereigns, Presidents of Republic States or Governors within their jurisdiction.

(3) The President's Colours when carried in eased hall be received at all times with the highest respect with arms presented, officers saluting and the band playing the National Anthem.

11. Coast Guard ensign ashore.—(1) On occasions of important ceremonial reviews or international Coast Guard displays ashore outside India, the Coast Guard ensign may be carried with Coast Guard landing parties at the discretion of the Senior Coast Guard officer present.

(2) In countries the Government of which is recognised by the Government of India, the Coast Guard ensign may be carried by Coast Guard detachments on the following important ceremonial occasions, namely :—

- (a) when the Head of the State or his representative is present; or
- (b) when the omission of the Coast Guard ensign might cause misunderstanding or offence.

(3) At the discretion of Director-General or Senior Coast Guard officer present, the Coast Guard ensign may be hoisted at a flag staff ashore in India or in a country the Govern-

ment of India, on such occasions as the "Beating Retreat" or at the saluting base in a march past or review.

(4) The parading of Coast Guard ensign is unauthorised except for the occasions specified in sub-rules (1), (2) and (3).

12. Ships in commission.—(1) All Coast Guard Ships in commission shall wear the following colours :—

- (a) A Coast Guard ensign.—A blue ensign with Coast Guard emblem at the centre towards the fly.
- (b) The National Flag, which should be of smaller dimensions than the ensign; at the Jack staff when in harbour, at anchor or moored to a buoy or alongside. Ships in dock or ships in drydock hands shall not wear the National flag at the Jack staff.
- (c) A pennant as specified in rule 9.

(2) Ships not in commission shall not wear colours except on occasion of their launch.

13. Wearing the Coast Guard ensign.—(1) The Coast Guard ensigns shall be worn :—

- (a) in harbour—at the ensign staff;
- (b) at sea—at the ensign staff whenever possible, but in bad weather or whenever the ensign staff is not available, for reasons, such as the ship being cleared for action, and the like, it should be worn on a staff in a suitable position on the after superstructure.
- (2) The Senior Officer present shall arrange for the necessary uniformity, especially as regards ships of the same class.

14. Colours—hoisting and hauling down.—(1) Ships shall hoist their colours (National Flag and Coast Guard ensign) at 0800 hours daily or as directed by the Senior Officer; they are to be worn throughout the day, subject to the weather or as the Senior Officer may direct, until sunset, when they shall be hauled down.

(2) When bands are ordered to play at the hoisting of the colours, they will play the Indian National Anthem.

(3) When in a foreign port, bands shall play the national anthem of the country in which the port is situated, immediately after the Indian National Anthem.

(4) When bands are not paraded, the bugle shall sound the general salute.

(5) If there is sufficient light for the ensign to be seen, it shall be hoisted earlier or later than provided in the preceding sub-rules, unless there is sufficient reason to the contrary, whenever a ship takes up her berth, or gets underway, or on her passing, meeting, joining or parting from any other Indian Coast Guard ship, or on her falling in with any other ship or ships at sea, or when in sight of, and near, the land specially when passing or approaching forts, batteries, signal or Coast Guard Stations, light houses or towns.

15. Lowering flags.—Ships shall not on any account lower their flags to any foreign ships whatsoever, unless the foreign ships shall first, or at the same time, lower their flags to them.

16. Half-masting colours.—(1) Colours half-masted for a funeral or interment on shore shall be lowered at the time the funeral procession is due to leave the place where the body has been lying and re-hoisted when sufficient time has elapsed for the cremation or interment.

(2) When the body leaves a ship, the colours shall be lowered when the body is removed from where it had been lying on board the ship and re-hoisted when sufficient time has elapsed for the cremation or interment.

(3) For a funeral at sea, the colours shall be lowered when the body is removed from where it has been lying and re-hoisted when the funeral service is ended.

(4) When the body is being removed from a ship to await cremation or interment, colours shall not be half-masted, but the boat conveying it shall fly a boats ensign at half-mast.

(5) When colours are ordered to be half-masted throughout the day, they shall be hoisted close up when colours are hoisted in the morning and immediately lowered to half-mast. At sunset, they shall first be hoisted close up and then lowered in the usual manner.

(6) When in foreign ports, if ships/warships of the countries concerned half-mast their colours on the death of one of their nationals, ships shall as a matter of courtesy conform by half-masting their own colours. In the event of a foreign ship being in an Indian port on such an occasion, ships in company shall half-mast their colours on the day of the funeral only, unless special orders are issued by the Director-General or the Senior Coast Guard officer present.

(7) Ships approaching or leaving an anchorage where ships of any other country are wearing a foreign national flag at half-mast at the main, or have their colours, at half-mast, shall, while within sight of the ships in port, hoist or keep the foreign national flag at half-mast, or half-mast their own colours.

(8) On the death (otherwise than in battle) of a Senior Officer whose flag is flying in one of the ships or Coast Guard Stations, his flag shall be half-masted and kept at half-mast until sunset on the day of funeral when it shall be hoisted close up and then finally struck.

(9) If however, the funeral is to take place at a distance from the ship or port in which the flag is flying, the flag shall be kept at half-mast until sunset on the day on which the body is removed from the ship or port for the purpose of burial or cremation.

(10) Instructions regarding half-masting of colours on the death of the President as contained in rule 7 shall also be applicable in the event of the death of the Vice-President or the Prime Minister.

17. Dressing Ship.—(1) All ships which re-supplied with necessary material shall be dressed overall in port from the time of hoisting colours until sunset on the Republic Day and on the Independence Day.

(2) Ships underway and those not fitted with dressing lines, shall dress only with ensigns at their mast-heads and National Flag at the Jack staff. This method shall also be adopted by other ships by orders of the Senior Officer present, should conditions render dressing ship overall inexpedient.

(3) Ships shall also be dressed by order of the Senior Officer present when in the presence of a flag of a Head of a State on occasions of visits of a Head of State and on certain foreign ceremonial occasions when in the presence of ships, or in the waters of the concerned countries. The manner of dressing and time during which ship shall be dressed shall be stated on each of these occasions according to circumstances.

(4) On occasions when ships are dressed in honour of an Indian ceremonial or personage, ships wearing flags/pennants of the Director-General/Inspector-General/Deputy Inspector-General shall wear the Coast Guard ensign only at masts not occupied by either of the above. Other ships shall wear the Coast Guard ensign at the mast/masthead.

18. Launching of Coast Guard ships.—(1) Colours shall be worn at all launchings of ships whether dockyard or contract built, at which there is a 'Naming Ceremony'; the Coast Guard ensign shall be worn at the ensign staff and the National Flag at the Jack staff. It shall not be necessary to hoist any other flag.

(2) The largest size of the flag shall be:—

(a) Ensign—8 breadths.

(b) National flag—6 breadths.

CHAPTER 4

FLAGS IN BOATS

19. Wearing the Coast Guard ensign in boats.—(1) Boats belonging to ships and Coast Guard work boats shall fly the Coast Guard ensign on the following occasions:—

(a) in foreign waters;

(b) when going alongside a foreign warship on all occasions during day and night.

(2) In India, boats shall only fly the ensign in accordance with clause (b) of sub-rule (1) between the time of colours and sunset, except as provided in clause (b) of sub-rule (1).

(3) In foreign waters, boats shall fly their ensigns when away from their ships at any time between dawn and dusk and on the occasions specified in clause (b) of sub-rule (1).

(4) When the colours are half-masted in ships, boats ensign (if flown), shall also be half-masted.

(5) When a corpse is being conveyed in a boat, either in Indian or foreign waters, that boat shall fly her ensign at half-mast.

20. Flags/Pennants in boats.—Senior Officers entitled to fly their flags or pennants and other officers holding an appointment in Command of a ship or shore establishment, when proceeding on a ceremonial occasion in a boat, may fly the flag, pennant or masthead pennant applicable to their rank in the bows.

21. Painting on boats.—(1) The barge and any other personal boats of the Director-General and other senior officers of the Coast Guard shall be painted white.

(2) Except for the condition in sub-rule (1) boats may be painted in any colour or combination of colours at the discretion of the Commanding Officer, subject to the approval of the concerned Regional Commander.

CHAPTER 5

HONOURS AND MARKS OF RESPECT

22. Marks of respect.—(1) The Marks of respect are to be paid to VVIPs, Senior Officers and officers and officials on their arrival at and departure from Coast Guard ships and Coast Guard establishments.

(2) These marks of respect are normally rigid only between colours and sunset, but the Senior Officer concerned may waive this rule in special circumstances.

(3) The 'Alert' and piping the side are used on all occasions; guards and bands are paraded for ceremonial visits.

23. Bugle.—The 'Alert' is a mark of respect due to rank and shall be sounded on the bugle, between the hours of colours and sunset, for the President the Vice-President, the Prime Minister and the Defence Minister and if in uniform, for all Senior Officers when coming on board and leaving any ship or when visiting Coast Guard stations or establishments.

24. Piping the side.—(1) Between the hours of colours and sunset, the side shall be piped to the following, coming on board or leaving one of the ships:—

(a) The President.

(b) All Senior Officers in uniform, as provided in rule 5.

(c) All general duty Officers of Coast Guard in uniform holding an appointment in command of a ship in commission (including a shore establishment, where the latter condition applies), or sea going tender and all hon-general duty Coast Guard officers in uniform holding an appointment in command of a shore

establishment in commission, when proceeding on board or leaving one of the ships. Officers coming on board by a braw, should not be piped unless arriving at a pre-arranged time. The side shall not be piped at any shore station.

25. The National Anthem.—(1) There are two versions of the National Anthem, namely :—

(a) the full version, comprising the first stanza of the 'Jana Gana Mana'—playing time approximately 52 seconds; and

(b) the short version, comprising the first and the last line of the stanza—playing time approximately 29 seconds.

(2) These two versions are played on the following occasions when bands are available :—

(a) Full version.—(i) On all ceremonial occasions when the President is present—including broadcasts by the President on the National Days.

(ii) On all ceremonial occasions for Governors when they attend ceremonial parades within their States

(iii) At Republic and Independence Day parades when the National Flag is broken.

(iv) At "Colours" when a guard and band are paraded.

(b) Short version.—On all other ceremonial occasions.

26. Musical salutes.—The airs to be played on authorised occasions shall be as ordered by the Director-General.

27. The President.—The President shall be received on board any of the ships or on arrival at Coast Guard Stations by a Guard of Honour commanded by a Commandant or a Deputy Commandant, the Officers saluting, the bugles sounding the "Alert" with arms presented and band playing the National Anthem. If the band is not available, the bugles shall sound the general salute.

28. Foreigners of high distinction.—Foreigners of high distinction who are received with a Guard of Honour when visiting ships of their own nation, shall be similarly received when visiting Coast Guard ships.

Explanation.—National anthems of other countries shall be played in full.

29. President of a Republic, Royal personage, Senior Officers Passing in a boat.—(1) When a President or a royal personage is passing in a boat or tender or when the Senior Officers as specified in rule 5, with the flag or pennant flying in a boat or tender, is passing a ship not under way, the guard and band shall be paraded, the bugles sounding the salute as provided in rules 37, 38 and 40, unless otherwise ordered.

(2) If a ship not underway is flying the flag or pennant of an Officer senior to the Senior Officer passing in a boat or tender, the "Alert" shall be sounded on the bugle, but the guard and band shall not be paraded.

30. Director-General.—The Director-General when flying his flag, shall be received on board any ship or on arrival at a Coast Guard Station, by a guard commanded by a Deputy Commandant or an Assistant Commandant with arms presented, the officers saluting, the bugles sounding the "Alert" and the band playing a salute as provided in rule 29. If a band is not available, the bugles shall sound the general salute.

31. Regional Commanders Coast Guard.—An Inspector-General or a Deputy Inspector-General, when flying his flag or pennant as a Regional Commander Coast Guard, shall be received on board any ship or on arrival at a Coast Guard Station, by a Guard commanded by a Deputy Commandant or an Assistant Commandant, with arms presented, the officers saluting, the bugles sounding the "Alert" and the band playing the salute as provided in rule 29. If a band is not available, the bugles shall sound the general salute.

32. Saluting by civilian VIPs.—(1) Form of salutation (civilians).—Civilians dignitaries required to take a Coast Guard parade or receive a Guard of Honour shall return the compliment as follows :—

(a) Gentlemen.—By raising the right hand to the forehead and touching the right of the forehead with the fingers slightly inclin, the observe of the palm facing the right eye and the reverse outwards. The hand should be lowered only after the troops have marched past or after group has marched past where there are more than one.

(b) Ladies.—Ladies may acknowledge the salute in the same manner as provided in clause (a) or in any other suitable manner.

(2) Position of Aides-de-Camp. The Parade Commander and the senior-most officer.—The VIP alone stands on the dais. If he has AsDC attending on him, they may stand on the sides of the saluting dais, a little to the rear of the VIP. The Parade Commander after he has saluted and passed in front of the VIP of the head of the parade may leave the column and take up a position next to the VIP below the dais, on the flank from which the parade marches on.

33. Inspector-General/Deputy Inspector-General.—An Inspector-General or a Deputy Inspector-General when flying his flag or pennant not covered under rule 31, shall be received on board a ship or on arrival at a Coast Guard Station, by a guard commanded by an Assistant Commandant.

34. Honours at departure as well as at reception.—The Coast Guard honors and marks of respect authorised in the foregoing rules shall, unless otherwise ordered, be rendered at the reception as well as at the departure of the personages and officials specified.

35. Ceremonial for two ships passing between sunrise and sunset.—(1) When two Coast Guard ships one another, of which only one is under way :—

(a) if either is a ship wearing the President's Flag or flag of a Senior Officer, the junior ship shall sound the "Alert" on the bugle; the other shall immediately do likewise and after a short interval also sound the "Carry-on". If guards and bands are paraded, the junior ship shall give the salute applicable, as provided in rules 29, 30, 31, 32 and 33; the senior ship's guard receiving the salute at 'KANDHE SHASTR'.

(b) if neither ship be flying the flag of a Senior Officer, the bugle shall not be used similar marks of respect shall be paid and returned by ripe.

(2) In all cases, when both ships are under way, the marks of respect provided in sub-rule (1) shall be paid and returned by pipe only.

36. Salutes and marks of respect in boats.—(1) The following rules for the paying and returning of marks of respect in boats shall be observed :—

(a) The Officer-in-Charge of the boat or the coxswain shall always salute, except where the design of the boat is such that the Officer-in-Charge or the coxswain is in an inconspicuous position, in which case one of the members of the boat's crew shall be detailed to salute.

(b) The senior of the officers in the boat shall also salute whenever this is practicable.

(c) The salute shall be acknowledged by the officer being saluted, unless he details an officer to do so. If no officer is available, the coxswain of the boat may be detailed to answer the salute.

(d) Where boats carrying Officers of equal rank pass each other, no exchange of salute shall take place.

(2) In addition to saluting, special marks of respect shall be paid to important personages and Senior Officers.

(3) All officers shall be saluted by Officer-in-Charge of the boat or the coxswain when getting into or leaving the boat.

(4) In private boats, officers and enrolled persons may pay and return salutes as indicated by courtesy, but only the officer or the enrolled person in most convenient position should salute.

37. Guards of Honour.—(1) The personages entitled to Guards of Honour are :—

- (a) The President.
- (b) The Vice-President.
- (c) The Prime Minister.
- (d) The Defence Minister (including Ministers of State in the Ministry of Defence and Deputy Ministers of Defence).

Provided that the Defence Minister (including Ministers of State in the Ministry of Defence and Deputy Ministers of Defence) shall be presented a Guard of Honour only on ceremonial occasions directly connected with the Coast Guard or on such exceptional occasions as may in each case be held by the Government to require the presentation of a Guard of Honour.

(2) Strength of Guard of Honour :—

- (a) 150 Rank and File for the President.
- (b) 100 Rank and File for the Vice-President and the Prime Minister;
- (c) 50 Rank and File for all others.

(3) Single service.—Guards of Honour at Coast Guard Stations shall be provided by the Coast Guard.

(4) No Guard of Honour shall be provided between sunset and colours.

NOTE.—Coast Guard may be required to parade Guards of Honour, if none of the Military Services are present in a station.

38. Hours of Guards and bands.—(1) In harbour, the following shall be the normal times within which Guards and bands are liable to be paraded :—

- (a) Week days except Saturdays and Sundays :—From "Colours" to 1300 hours and from 1400 hours to sunset or 1300 hours whichever is earlier.
- (b) Saturdays and Sundays.—From "Colours" to 1200 hours. At other times they shall not be required unless specially ordered before hand except as specified in sub-rule (2).

(2) Guards and bands shall be required at any hour between "Colours" and sunset (or 1300 hours) on week days and 1200 hours on Sundays, unless otherwise ordered, when passing or being passed by a ship or boat flying a President's flag or Royal Standard or flag of a distinguished personage or by a foreign warship.

39. Coast Guard Personal Salute.—The Coast Guard salute shall be made by bringing up the right hand to the cap hat or turban or helmet, naturally and smartly, but not hurriedly with the thumb and fingers straight and close together, elbow in line with the shoulder, hand and forearm in line, the thumb being in line with the outer-edge of the right eyebrow, with the palm of the hand turned to the left.

(2) When passing an officer the salute shall be commenced just before meeting and continued until well past the officer, the person saluting looking towards him at the same time.

(3) Every officer, shall return a salute made to him. A salute made to two or more officers shall be returned by the Senior Officer only.

(4) The Coast Guard salute shall be made on all occasions with the right hand only.

(5) In plain clothes, the salute shall be made by raising the cap or as in sub-rule (1).

(6) Salutes between Officers.—A junior officer, whether alone or in company with other officers, shall salute his senior officer when passing, addressing or being addressed by him, making the salute, which the senior should return. A junior officer, when in company with a senior officer, shall only salute officers senior to the latter.

40. Salutes on board.—(1) When coming over the gangway, or on to the quarter-deck, the salute shall be made by all officers and enrolled persons.

(2) All subordinate officers, sailors and enrolled followers shall salute, when addressing or being addressed by an officer, and again on withdrawing.

(3) All subordinate officers, sailors and enrolled followers, when being passed by an officer shall stand to attention.

(4) All members of the Coast Guard, if wearing head dress, shall face in the required direction and salute :—

- (a) whenever the National Anthem or any foreign national anthem is played
- (b) when colours are hoisted ; or
- (c) when colours are lowered at sunset.

Explanation.—Parties of enrolled persons fallen-in shall be called to attention, the officer or enrolled person in charge, saluting.

41. Salutes on shore.—(1) The following shall be saluted

- (a) The President.
- (b) Coast Guard officers in uniforms.
- (c) Coast Guard officers in plain clothes, who either by reason of their position or because they belong to the same ship, are known to be officers.

Explanation.—The salute, in addition to being a mark of respect is a simple act of courtesy and good manners. It behoves all officers and enrolled persons to recognise a senior officer and accord him the prescribed salute.

(2) The rules for paying marks of respect in the following circumstances shall be as indicated against each :—

- (a) A subordinate officer, sailor or enrolled follower who is standing about shall face and salute an officer who passes him; if sitting when an officer approaches, he shall raise, stand to attention and salute.
- (b) Organised parties of enrolled persons in charge of an officer or enrolled person shall be called to attention, the officer or enrolled person in charge only saluting.
- (c) When other parties of subordinate officers sailors and enrolled followers on shore are passing or being passed by an officer, all shall salute.
- (d) Officers and enrolled persons, riding two wheeled conveyance, pedal or motorised, will not salute when the vehicle is in motion. They shall, however, salute when their vehicle is stationary.
- (e) The Senior Officer or enrolled person in a vehicle, whether driver or passenger, shall salute when passing a senior officer. The remaining passengers in the vehicle meanwhile sitting to attention.

Explanation.—No Officer shall expect to be saluted if a rider or driver is in difficulty or danger.

(3) Officers and enrolled persons shall also salute on the following occasions :—

- (a) On passing a funeral ;

- (b) On passing uncased colours carried by the Coast Guard.
- (c) If wearing head-dress, when the national anthem or any foreign national anthem is played.
- (d) When colours are hoisted.
- (e) When colours are lowered at sunset.

(4) Individual Officers and enrolled persons shall stand to attention, uncovered whenever the National Anthem or any foreign national anthem is played.

(5) Salutes shall not be exchanged in such places as drill sheds, railway stations, stands at races, meetings or sports fixtures and the like, except when an officer or enrolled person is being addressed personally by a superior officer, or when making a report.

(6) Certain senior officers are entitled to fly Official distinguishing flags on their cars. Such flags shall not be displayed unless the entitled officer is in the car. Officers junior to those concerned and all enrolled persons shall salute such flags.

(7) Officers of the rank of Deputy Inspector General and above may display Star plates to denote their presence in the car as follows :—

One Star—Deputy Inspector-General.

Two Star—Inspector-General.

Three Star—Director-General.

42. Inspection without arms.—(1) When inspected by a Senior Officer or by the officer in command of the ship of whatever rank, ships companies are inspected covered, and the right hand enrolled person only shall salute on the arrival of the inspecting officer. This enrolled person should be the senior of those fallen-in.

(2) If the inspecting officer wishes the sailors and enrolled followers to uncover their heads, the drill "Topi Utar" shall be carried out. Sub-ordinate officer will not uncover, but shall salute.

CHAPTER 6

FUNERAL HONOURS

43. Funeral honours.—Coast Guard units required to participate in a State funeral will act in accordance with the orders issued by the Ministry of Home Affairs, Government of India.

44. Funeral honours for Officers and Enrolled Persons.—(1) At the funeral of an officer or enrolled person of any Coast Guard ship, three volleys of musketry shall be fired at the cremation over the grave or over the body when committed to the sea.

(2) On all occasions of Coast Guard funerals, the Senior Officer present shall regulate the strength and composition of the funeral and firing parties, the number of officers and enrolled persons forming the parties being, however, subject to the means at the disposal of the Senior Officer present.

45. Honours when to be paid to Officers or enrolled persons.—(1) Honours shall be paid officially only at the funeral of the officers or enrolled persons who have died on service and whose bodies are cremated, committed to the sea or buried within the precincts of a Coast Guard port or at the place where the ship is lying. However, the Director-General may, at his discretion, authorise the rendering of honours at the funerals of officers who have held certain high appointments.

(2) When mustered by a Senior Officer or by the officer in command of the ship, of whatever rank, all enrolled persons and enrolled followers below Sub-ordinate Officer shall salute as they pass around.

(3) When inspected by an officer at Divisions, Quarters, Watch, fall-in and on all other occasions of falling-in for inspection without arms, enrolled persons shall be called to attention.

D. (Coord)

[M. of DID No. LW/0217/2908/D. (N-II).88]

P. RAY, Joint Secy. (Navy)

